भारत सरकार

पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. **5043** जिसका उत्तर

गुरूवार, **25 मार्च**, 2021/4 चैत्र, 1943 (शक) को दिया जाना है

पत्तन परियोजनाओं में निवेश

†**5043. श्री कोमती रेड्डी वेंकट रेड्डी:**

श्री कोथा प्रभाकर रेड्डी:

श्री रघु राम कृष्ण राजू:

श्रीमती वांगा गीता विश्वनाथ:

श्री मन्ने श्रीनिवास रेड्डी:

क्या **पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार का विचार समुद्री क्षेत्र में स्वच्छ नवीकरणीय ऊर्जा स्रोत में हिस्सेदारी बढ़ाने, जलमार्गों को विकसित करने, सी प्लेन सेवाएं बढ़ाने, प्रकाश स्तंभों के आसपास पर्यटन को बढ़ावा देने और प्रत्यक्ष/अप्रत्यक्ष रूप से 2 मिलियन नौकरियां सृजित करने के लिए 2035 तक पत्तन परियोजना में 82 बिलियन डॉलर निवेश करने का है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी क्षेत्र-वार ब्यौरा क्या है और भविष्य की क्या कार्ययोजना है; और

(ग) अब तक निवेश की गई निधि से हुई प्रगति/प्राप्त परिणामों को क्षेत्र-वार ब्यौरा क्या है?

उत्तर

पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)

(श्री मनसुख मांडविया)

(क, ख और ग) : सागरमाला कार्यक्रम के भाग के रूप में वर्ष 2015 से 2035 के दौरान कार्यान्वयन के लिए 3.59 लाख करोड़ रु. की अनुमानित लागत पर 500 से अधिक परियोजनाओं की पहचान की गई है। सागरमाला परियोजनाओं में मौजूदा पत्तनों और टर्मिनलों का आधुनिकीकरण, नए पत्तन, टर्मिनल, रो रो और पर्यटन जेट्टियां, पत्तन संपर्कता का आवर्धन, अंतर्देशीय जलमार्ग, दीपस्तंभ पर्यटन, पत्तनों के आस-पास औद्योगिकीकरण, कौशल विकास, प्रौद्योगिकी केंद्र, आदि जैसी विभिन्न श्रेणियों की परियोजनाएं शामिल हैं। इन

परियोजनाओं को मुख्य रूप से सागरमाला के चार स्तंभों में वर्गीकृत किया गया है। सागरमाला के तहत परियोजनाओं का कार्यान्यवयन, जहां भी व्यवहार्य हो, निजी क्षेत्र के माध्यम और सार्वजनिक निजी भागीदारी (पीपीपी) के माध्यम से केंद्रीय मंत्रालयों, राज्य समुद्री बोर्डों, महापत्तनों और एसपीवी द्वारा किया जाना है। चार स्तंभों के अनुसार सागरमाला कार्यक्रम में शुरू की गई परियोजनाओं का सार निम्नानुसार है:

क्रम सं.	परियोजना विषय	कुल		पूरी की गई		कार्यान्वयन के अधीन	
		#	परियोजना लागत(करोड़ रु.)	#	परियोजना लागत(करोड़ रु.)	#	परियोजना लागत(करोड़ रु.)
1.	पत्तन आधुनिकीकरण	214	85,504	88	25,338	56	20,111
2.	संपर्कता आवर्धन	204	1,49,043	45	14,546	80	1,02,280
3.	पत्तन आधारित औद्योगिकीकरण	32	1,19,570	8	45,300	22	73,271
4.	तटीय समुदाय विकास	64	5,444	20	1,469	20	914
कुल		**514**	**3,59,561**	**161**	**86,653**	**178**	**1,96,577**

इसके अलावा, मैरीटाइम इंडिया समिट- 2021 के दौरान अवसंरचना विकास के लिए निवेश हेतु और इसके बाद प्रचालन और रखरखाव कार्य शुरू करने के लिए 2.24 लाख करोड़ मूल्य की 400 से अधिक निवेश योग्य परियोजनाओं की पहचान की गई और इन्हें प्रदर्शित किया गया।

अब तक मंत्रालय ने सागरमाला की अनुदान सहायता योजना के माध्यम से 110 परियोजनाओं का वित्तपोषण किया है। इनमें से 33 पूरी हो गई है, 44 कार्यान्वयन स्तर पर हैं और 33 परियोजनाएं विकास के अधीन हैं। पूरी की गई और कार्यान्वयन के अधीन परियोजनाओं के लिए मंत्रालय ने लगभग 1400 करोड़ रु. की निधियां जारी की हैं और वर्तमान परियोजनाओं की सूची के लिए 865 करोड़ रु. नियोजित किए हैं।

सागरमाला के तहत की गई पहलों ने पत्तनों की क्षमता बढ़ाने/उपयोग में लाने में सहायता की है जिससे टर्न-अराउंड समय में कमी, ड्वेल समय में कमी, लॉजिस्टिक लागतों में कमी और प्रत्यक्ष और परोक्ष रोजगार-सृजन हुआ है।

*****